III. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए। **(1×16=16)**

'जीवन में साहित्य का स्थान' निबन्ध का सारांश लिखिए एवं साहित्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'आनन्द के क्षण' पाठ के आधार पर जीवन में आनन्द के क्षण के महत्व पर प्रकाश डालिए।

IV. **एक** पर टिप्पणी लिखिए। **(1×5=5)**

1) आलोपी

2) बुद्धदेव।

V. किसी **दो** प्रश्नों का उत्तर लिखिए। **(2×4=8)**

1) टिप्पण लेखन किसे कहते हैं तथा कितने प्रकार के होते हैं ?

2) प्रतिवेदन कितने प्रकार के होते हैं ? सविस्तार लिखिए।

3) आलेखन की परिभाषा देते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए **एक तिहाई** शब्दों में संक्षेपण कीजिए। **(1×7=7)**

परिश्रम और निरन्तर अभ्यास से कठिन समझे जाने वाले कार्य भी सुगम हो जाया करते हैं। ज्ञान, भाव और कर्म से सम्बन्धित सभी क्षेत्रों में इसका चमत्कार देखा जा सकता है, नियमित अभ्यास वज्र से वज्र मूर्ख को भी चतुर बना देता है। प्यार की अधिकता और नि:स्वार्थकता भयंकर से भयंकर और दुष्ट से दुष्ट व्यक्ति को भी अपना बना लेती है। पापी से पापी भी ईश्वर की कृपा का भागीदार बन जाता है। बट्टे की रगड़ से पत्थर की सिल भी चिकनी हो जाती है।